तापमान

अधिकतम 35.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, सोमवार, 14 जुलाई 2025

9 पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पौधारोपण...

10 आसान नजर नहीं आ रही आईटीआई में दाखिले की...

खबर संक्षेप

रंजिशन चाकू से हमला करने पर एक नामजद

जींद। गांव बधाना में रंजिशन चाकू से हमला कर युवक को घायल करने पर अलेवा थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव बधाना निवासी ओमप्रकाश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके बेटे ईश्वर से गांव का ही मनी रंजिश रखे हुए है। गत दिवस उसका बेटा ईश्वर घर की तरफ लौट रहा था। उसी दौरान मनी ने उसके बेटे पर चाकू से हमला कर दिया। जिसमें उसका बेटा घायल हो गया। अलेवा थाना पुलिस ने ओमप्रकाश की शिकायत पर मनी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मारपीट करने पर सात लोगों पर मामला दर्ज

जींद। श्याम नगर में कहासुनी के बाद घर में घुस हमला कर दो भाइयों को घायल करने पर शहर थाना पुलिस ने तीन लोगों को नामजद कर चार अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया ह। श्याम नगर निवासी रोहित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पडोसी ओम से कहासुनी हो गई थी। जिस पर ओम परिवार तथा चार अन्य लोग घर में घुस आए और हमला कर दिया। जब उसके भाई ने बचाने की कोशिश की तो आरोपितों ने उसके साथ भी मारपीट की। शहर थाना पुलिस ने ओम, आशा, कशिश को नामजद कर चार अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मां व बेटे से मारपीट करने पर तीन नामजद

जींद। गांव कलौदा कलां में घर में घुस मां व बेटे से मारपीट करने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने तीन लोगो के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव कलौदा कलां निवासी बिमला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पडोसी विजय परिवार के साथ कहासुनी हो गई थी। जिस पर विजय परिवार के लोग उसके मकान में घुस आए और मारपीट शुरू कर दी। जब उसके बेटे शमशेर ने बचाने की कोशिश की तो आरोपितों ने उसके साथ भी मारपीट की। आसपास के लोगों ने उन्हें विजय परिवार से छुड़वाया। सदर थाना नरवाना पुलिस ने बिमला की शिकायत पर विजय, पिंकी, तन्नू के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजौंद में मुफ्त कानूनी सहायता शिविर आज

राजौंद। नगर के सरकारी स्कूल में रविवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की तरफ से मुफ्त कानूनी सहायता शिविर लगाया जाएगा। जिसमें लोगों को कानूनी अधिकारों के बारे मुफ्त में जानकारी दी जाएगी। एडवोकेट जयप्रकाश वअधिकार मित्र रितु राणा व संगीता ने बताया कि हर रविवार मुफ्त कानूनी सहायता शिविर लगाया जाता है जिसमें लोगों को अधिकारों के बारे में जानकारी दी जाती है इसके लिए कोई भी शुल्क नहीं लिया जाता।

युवा स्वस्थ होगा तो समाज, प्रदेश और देश करेगा तरक्की: सैनी

मुख्यमंत्री सैनी ने हाफ मैराथन में दौड़ लगाकर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि करीब साढ़े 10 वर्षों से नशे की समस्या के खिलाफ हमारे युवा पूरे हरियाणा प्रदेश में एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। पिछले दिनों पूरे हरियाणा में नशे के खिलाफ साइक्लोथॉन यात्रा निकाली गई, जिसमें करीब साढ़े 7 लाख से ज्यादा युवाओं ने भाग लिया। साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों में मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नशा समाप्त होगा तो हमारा युवा स्वस्थ होगा और समाज, प्रदेश और देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी का वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का विजन है, जिसे पूरा करने में युवाओं का अहम योगदान रहेगा।

मुख्यमंत्री सैनी ने मैराथन को दिखाई झंडी

आयोजन में उमड़ा जनसैलाब

मुख्यमंत्री सैनी कैथल में अंबाला रोड पर आयोजित हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाने से पूर्व हजारों की संख्या में इस आयोजन में भाग ले रहे प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। हॉफ मैराथन के ब्रांड एंबेसडर पैरालम्पिक पदक विजेता हरविंदर सिंह व पर्वतारोही रीना भट्टी ने भी हाफ मैराथन में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने स्वयं भी दौड़ लगाकर युवाओं को स्वस्थ रहने व नशे के खिलाफ एकजुट होने के लिए प्रेरित किया, ताकि प्रदेश को पूरी तरह से नशा मुक्त किया जा सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवाओं को स्वस्थ रखने व उन्हें नशे की लत से दूर रखने के लिए प्रदेश में खेल सुविधाओं का विस्तार किया है। इसके साथ-साथ हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत मैराथन जैसे आयोजन करके युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके अलावा बच्चों और युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए एक कार्यफ्म धाकड़ स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के स्तर पर शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री सैनी ने भी युवाओं के साथ दौड़ लगाई और हौसला बढ़ाया।

मैराथन में उमड़ा जनसैलाब

लोक संपर्क विभाग की टीम ने सुनाई रागिनी

कार्यक्रम में कैथल लोक संपर्क विभाग की टीम ने सीएम द्वारा करवाए गए विकास कार्यों की तैयार रागिनी का प्रदर्शन किया। सीएम ने लोक कलाकारों का हौसला बढ़ाया। मौके पर विधायक सतपाल जाम्बा, जिला भाजपा अध्यक्ष ज्योति सैनी, अशोक कुमार गुर्जर, अमरपाल राणा, पूर्व राज्यमंत्री कमलेश ढांडा, पूर्व विधायक लीला राम, कुलवंत बाजीगर, जिला परिषद के चेयरमैन कर्मबीर कौल, नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग, पूर्व चेयरमैन कैलाश भगत, पूर्व चेयरमैन अरूण सर्राफ, पूर्व जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड़, युवा भाजपा नेता तुषार ढांडा, पंकज नैन, डीसी प्रीति, एसपी आस्था मोदी, आरटीए गिरिश कुमार, जिप सीईओ सुरेश राविश, डीएमसी सुशील कुमार, एसडीएम अजय हुड्डा, एसडीएम अजय सिंह, एमडी शुगर मिल कृष्ण कुमार, अमरजीत छाबड़ा, सीएम आउट रीच कार्यक्रम से पंखुड़ी गुप्ता, अमरजीत छाबड़ा, सुरेश संधु, आदित्य भारद्वाज, हरपाल शर्मा, पार्षद लीलू सैनी, अशोक सैनी, जग्गा सैनी, अजीत चहल, देवीदयाल बरसाना, कुशल पाल सैन, ईश्म सिंह साकरा, कोच गुरमीत आदि मौजूद रहें।

मैराथन प्रकाश और अंजली रहे प्रथम

विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने हॉफ मैराथन में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। दस किलोमीटर की दौड़ में पुरूष वर्ग में प्रथम स्थान पर प्रकाश, द्वितीय स्थान पर मोहित तथा तृतीय स्थान पर रोहित वर्मा रहे। वहीं महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर अंजली देवी, द्वितीय स्थान पर सुनीता, तृतीय स्थान पर बबिता रही। मुख्यमंत्री द्वारा उन्हें एक लाख रुपये, 75 हजार रुपये, 50 हजार रुपये के चैक व मैडल पहनाकर सम्मानित किया। वहीं 21 किमी की दौड़ में पुरूष वर्ग में प्रथम स्थान पर नितेश कुमार, द्वितीय स्थान पर विकास, तृतीय स्थान पर मुकेश कुमार रहे। महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर सोनिका, द्वितीय स्थान पर अंकिता बेन, तृतीय स्थान पर नीता रानी रही। मुख्यमंत्री द्वारा प्रथम विजेता को 1 लाख 21 हजार, द्वितीय को 1 लाख तथा तृतीय विजेता को 75 हजार के चैक व मैडल पहनाकर सम्मानित किया।

ये रहे आकर्षण का केंद्र

मंच सहित रूट पर विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों से आए बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से छटा बिखेर दी। किसानों ने प्रगतिशील खेती अपना कर देसी खान-पान को महत्व देते हुए बनाए गए पकवानों का प्रदर्शन किया। इंग्लिश चैनल दौड़ कर पार करने वाले एडीसी दीपक बाबू लाल, एसडीएम कैप्टन परमेश ने भी 21 किमी दौड़ लगाई। सीएम ने सम्मानित किया।

दोपहर के समय बदला मौसम 10 मिनट तक झमाझम बारिश

- बारिश के बाद उमस भरी गर्मी से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जिले में रविवार को एक बार फिर से मौसम में बदलाव हुआ। इस दौरान के सुबह के समय आसमान में बादल छाए रहे। इसके बाद दोपहर करीब ढाई बजे करीब 10 मिनट तक हुई झमाझम बारिश हुई। बारिश के बाद लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली।

इसके साथ ही रविवार को अधिकतम व न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। रविवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। मौसम विशेषज्ञ डॉ. रमेश चंद्र वर्मा ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से एक क्षेत्र पर कम दबाव बनेगा। इससे मानसून एक बार फिर से परिवर्तन होगा जिससे क्षेत्रों में 14 से 18 जुलाई तक मानसून की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसके बाद बारिश थमेगी। हालांकि बादलों के छाए रहने से बारिश की संभावना जरूर रहेगी।

धोखाधड़ी कर साढ़े सात लाख हड़पने का आरोपित गिरफ्तार

- डी ग्रुप में नौकरी लगवाने के लिए राशि खाते मे डलवाने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सिविल लाइन थाना पुलिस ने डी ग्रुप में नौकरी लगवाने का झांसा दे साढ़े सात लाख रुपये हड़पने के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। गांव भंभेवा निवासी सुनील ने आठ नवंबर 2019 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह पढ़ा लिखा बेरोजगार है। उसने हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन द्वारा निकाली गई डी ग्रुप के लिए आवेदन किया हुआ था।

जनवरी 2019 में उसकी मुलाकात करनाल निवासी सुशील तथा पिंजौर निवासी कृष्ण से हुई। जो रिश्तेदार के साथ आए थे, जिसके बाद मेलजोल बढ़ गया। दोनों ने बताया कि उनकी एचएसएससी में अच्छी जान पहचान है और वे नौकरी लगवा सकते हैं। जिस पर दोनों ने उसे डी ग्रुप में नौकरी लगवाने का झांसा दिया और साढ़े सात लाख रुपये की डिमांड की। 16 मार्च से 23 मार्च तक साढ़े सात लाख रुपये की राशि दोनों को दे दी गई। साढ़े तीन लाख रुपये आरोपितों द्वारा दिए गए खाते में जमा करवाए गए थे। जबकि चार लाख नगद दिए गए थे। बावजूद इसके उसका सिलेक्शन डी ग्रुप में नही हुआ। जब उसने राशि वापस मांगी तो कुछ समय इंतजार करने के लिए कहा लेकिन बाद में उन्होंने राशि लौटाने से मना कर दिया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने सुनील की शिकायत पर सुशील व कृष्ण को नामजद कर एक अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में ख्यानत समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस ने जांच को आगे बढाया तो पंचकूला निवासी राकेश का नाम सामने आया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राकेश को गिरफ्तार कर लिया। सिविल लाइन थाना प्रभारी बलजीत सिह ने बताया कि दो आरोपितों पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपित राकेश के खाते में राशि का डलवाया गया था। आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

बाइक और हाइवा की टक्कर में बाइक चालक किसान की मौत

जुलाना। जींद-रोहतक मार्ग पर बुढ़ाखेड़ा गांव के बाइपास के सर्विस रोड पर रविवार को एक बाइक व हाइवा की टक्कर हो गई। जिसमें बाइक चालक किसान की मौत हो गई। सूचना पाकर जुलाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार बुढ़ा खेड़ा लाठर गांव निवासी 58 वर्षीय किसान चांद राम गांव से अपने खेत की ओर जा रहा था। जब वह बाईपास के सर्विस रोड के पास पहुंचा तो सड़क पर खड़े हाइवा से उसकी बाइक की टक्कर हो गई। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को जुलाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जुलाना पुलिस जांच में जुटी हुई है।

एक नई दिशा फाउंडेशन कैथल ने लगाया शिविर, 22 ने किया रक्तदान

कलायत। कलायत के गांव बात्ता में श्री भैरवी सोशल फाउंडेशन के तत्वाधान में एक नई दिशा फाउंडेशन कैथल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 22 युवाओं ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक समिति प्रतिनिधि संजू राणा ने शिरकत की। उन्होंने प्रोग्राम मैनेजर सुमित शर्मा, फाउंडेशन महानिदेशक संदीप राजपूत, युवा मंडल अध्यक्ष सूरजभान, रजत राणा, अमन कुमार, उदय सिंह, गौरव, शुभम, गुलशन, बाबा ब्रह्मपुरी समाज सेवा समिति उपाध्यक्ष महावीर राणा, राजपुरी सेवा समिति अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राणा और अन्य लोगों के साथ शिविर की शुरूआत की। रक्तदान से जुड़ी प्रक्रिया को पूरा करवाने के लिए सतपाल सिंह, काउंसलर विजेता, सुमित्रा, सुरेश, सुरेंद्र, डीएमएलडी गुलाब व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। संजू राणा ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उत्साह बढ़ाया। नई दिशा के महानिदेशक संदीप राजपूत द्वारा रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि अकसर हादसों व विपरीत परिस्थितियों में खून की बेहद जरूरत रहती है।

न्यू फ्रेंड हॉकी क्लब ने 22 गर्ल्स हॉकी खिलाड़ियों को बांटी हॉकी किट व ड्रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

न्यू फ्रेंड्स हॉकी क्लब के तत्वावधान में नगर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अंडर 14 गर्ल्स हॉकी खिलाडिय़ों को ड्रेस व खेल किट वितरित की गई। इस अवसर पर बतौर मुख्यातिथि पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी प्रेम कुमार बंसल मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रधान अजमेर सिंह विर्क ने की। न्यू फ्रेंड्स हॉकी क्लब की और से खेल में अच्छा प्रदर्शन करने वाली 22 गर्ल्स हॉकी प्लेयर को हॉकी किट व ड्रेस वितरित की गई। इस अवसर पर मुख्यातिथि प्रेम कुमार बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है, जो मनुष्य के मानसिक, शारीरिक व सामाजिक विकास के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि न्यू फ्रेंड हॉकी क्लब द्वारा हॉकी खेल को बढ़ावा देने के लिए जो प्रयास किया जा रहा है वो अति सरहानीय है। इस अवसर पर मा. शिव कुमार, कोच बलिंद्र सिंह व कोच अनिल कुमार, रविंद्र धीमान, सतबीर सैनी, प्रगट सिंह, कर्मबीर आदि विशेष तौर पर मौजूद रहे।

सफीदों। खिलाड़ियों को हॉकी किट वितरित करते हुए।

बिजली निगम का चोरी पकड़ो अभियान

380 कनेक्शनों की कड़ी जांच 170 पर 33.29 करोड़ जुर्माना

दिन के बजाय रात को बिजली चोरी की ज्यादा घटनाएं लाइन लोस में बढ़ोत्तरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

बिजली चोरी रोकने के लिए निगम द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत एक साल में 380 बिजली कनेक्शनों की जांच की गई। जिनमें 170 जगह बिजली चोरी होना पाया गया। इस पर बिजली निगम ने चोरी करने वाले उपभोक्ताओं पर 33.29 करोड़ रुपये जुर्माना लगाया। जिन पर लगभग 12 करोड़ रुपये वसूल भी लिए हैं। वहीं उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवाई गई है।

जिले में लाइन लोस लगातार बढ़ रहा है। फिलहाल लाइन लोस 30 प्रतिशत से ऊपर चला गया है। इसका मतलब यह है कि 30 प्रतिशत बिजली चोरी हो रही है। इसलिए इस 30 प्रतिशत के न तो बिल भी नहीं बन पा रहे हैं। इससे निगम को नुकसान हो रहा है। निगम की 15 टीम बिजली चोरी पकडऩे के लिए छापेमारी कर रही है। जिले में सबसे ज्यादा जींद डिविजन में 218 बिजली कनेक्शनों की जांच की गई। जिनमें 95 चोरी की घटनाएं मिली। इन पर 19.89 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया। इसके बाद नरवाना डिविजन में 146 कनेक्शनों पर चोरी की सूचनाएं मिली। जिनमें 72 जगह चोरी मिली। इन पर 50 लाख रुपये जुर्माने के रूप में वसूले गए। इसके अलावा सफीदों डिविजन में मात्र 16 कनेक्शन चैक किए गए हैं। जिनमें से मात्र तीन जगह बिजली चोरी मिली। तीनों मामलों में जुर्माना नहीं भरने पर एफआईआर दर्ज करवाई गई। बिजली निगम के अनुसार लोड कम होने और खपत अधिक होने पर भारी जुर्माने का प्रावधान है। इसी के तहत छापेमारी में कई जगह आधे से एक किलोवाट मिला। निगम ने उनके लोड बढ़ाने के लिए पेनल्टी लगाते हुए लोड बढ़ाया। निगम के नियमानुसार एक बार जुर्माना लगने के बाद कोर्ट में उपभोक्ता जाता है तो भी उसे आधे रुपये पहले भरने पड़ते है। उसके बाद ही कोर्ट में केस दायर किया जाता है। ऐसे में बिजली निगम द्वारा चोरी के केस में उपभोक्ताओं को बचना काफी मुश्किल है।

वर्ष 2022 से अब तक आए 499 मामले

जींद डिविजन में अबतक बिजली चोरी के कुल 355 मामले आए हैं। जिन पर 32 करोड़ रुपये जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा नरवाना डिविजन में 342 उपभोक्ता बिजली चोरी करते पकड़े गए। बिजली निगम ने इन पर 21 करोड़ रुपये जुर्माना लगाया। सफीदों डिविजन में अब तक कुल 46 मामले बिजली चोरी के आए।

चोरी मिलने पर जुर्माना भी वसूला जाता है

बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता एमएल सुखीजा ने बताया कि बिजली चोरी मिलने पर जुर्माना भी वसूला जाता है और एफआईआर तक दर्ज करवाई जाती है। इसलिए उपभोक्ताओं को बिजली चोरी से बचना चाहिए और समय पर बिल भरें। निगम का चोरी पकड़ो अभियान लगातार चलता है।

जलाभिषेक ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04:11 से 04:52 बजे तक

सावन का पहला सोमवार आज, मंदिरों में विशेष तैयारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सावन माह 2025 का पहला सोमवार 14 जुलाई को है और इस दिन जींद के पौराणिक जयंती देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। सावन माह जो भगवान शिव को समर्पित है के पहले दिन (11 जुलाई) से ही मंदिर में भक्तों का तांता लगा हुआ है। सुबह होते ही श्रद्धालु मंदिर पहुंचना शुरू हो जाते हैं और भगवान शिव का जलाभिषक करते हैं।

हर-हर महादेव के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठता है। सोमवार को मंदिर में भगवान शिव के रुद्राभिषेक के लिए श्रद्धालुओं ने दूध, दही, शहद, गंगाजल और घी से शिवलिंग का अभिषेक किया जाएगा और सुख व समृद्धि की कामना की जाएगी। सोमवार को भगवान शिव के जलाभिषेक को लेकर ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04:11 से 04:52 बजे तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:59 से 12:55 बजे तक रहेगा। प्रदोष काल भी जलाभिषेक के लिए शुभ होता है।

जींद। जयंती देवी मंदिर में भगवान शिव की पूजा करते श्रद्धालु।

जयंती देवी मंदिर में विशेष तैयारियां : जयंती देवी मंदिर में सावन माह के पहले सोमवार को विशेष तैयारियां की गई हैं। मंदिर परिसर में मौजूद शिवालय को फूलों और रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। हर दिन की तरह सोमवार को सुबह चार बजे से मंदिर के पट खुल जाएंगे। श्रद्धालु बेलपत्र, फूलमाला और गंगाजल के साथ भगवान शिव की पूजा अर्चना करेंगे। श्रद्धालुओं के लिए शिव पूजा के लिए विशेष सर्पनुमा पात्र बनाए गए हैं। जिनमें जल या दूध डाल कर भगवान शिव का अभिषेक किया जाएगा।

ऐसे करें श्रद्धालु शिव की पूजा

सोमवार को प्रातःकाल स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। शिवलिंग की पूजा के लिए मंदिर जाएं या घर पर शिवलिंग स्थापित करके श्रद्धा और नियम से पूजन करें। शिवलिंग का अभिषेक जल, दूध, दही, शहद, घी और गंगाजल से करें। इसके बाद बेलपत्र, सफेद पुष्प, अक्षत और भस्म अर्पित करें। फिर भगवान शिव को सफेद मिठाई का भोग लगाएं और तीन बार ताली बजाते हुए उनका नाम स्मरण करें।

एक लोटा जल अर्पित करने से शिव होते हैं खुश : नवीन शास्त्री

जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि सावन में आने वाले प्रत्येक सोमवार का विशेष महत्व होता है। इस दिन व्रत रखकर शिवलिंग पर जल, बेलपत्र और अन्य पूजन सामग्रियां अर्पित करना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस मास में यदि श्रद्धापूर्वक शिवलिंग पर केवल एक लोटा जल भी अर्पित किया जाए तो भगवान शिव प्रसन्न होकर अपने भक्तों को सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

मिड डे मिल वर्कर्स की मांगें पूरी करे सरकार

जींद। नेहरू पार्क में मिड डे मिल वर्कर्स यूनियन की बैठक राज्य प्रधान इंद्र सिंह मलिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन अनीता, रीना, सुनीता, मीना, रेखा, मंजू व ऊषा द्वारा किया गया और मिड डे मिल वर्करज ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। राज्य प्रधान इंद्र सिंह ने कहा कि यूनियन ने सरकार को मिड-डे मिल वर्करों की नौ मांगें दी थी। जिसमें से सरकार ने हमारी तीन मांगों को पूरी कर दिया है और छह मांगों पर सरकार के साथ बातचीत चल रही है। उनको भी जल्द से जल्द पूरा कराया जाएगा। उप राज्य प्रधान दलशेर ने कहा कि मिड डे मिल वर्करों की मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। अनीता, रीना ने कहा कि सभी मिड डे मिल वर्कर्ज एकता बना कर रखें। इस मौके पर रेखा, बबली, पिंकी, कौशल्या, मुकेश, मंजू, सुनीता, रजनी आदि ने विचार व्यक्त किए।

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

हरिभूमि
रोहतक, सोमवार, 14 जुलाई 2025

लखमीचंद का वाग्वैभव हरियाणा की शान

काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्यकवि कहलाए दादा लखमी

कविवर लखमीचंद कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है।

15 जुलाई :जयंती विशेष

चंद्रशेखर शर्मा

जीवन और जगत से जुड़ी चर्चा ध्यान तो खींचती है सभी का किन्तु जब वह बात लोकोपयोगी सिद्ध हो जाती है तो एक साहित्य में स्थान पा जाती है। मैं कौन हूं, कहां से आया हूं, किस लिए आया हूँ ? ऐसे-ऐसे प्रश्न जनसाधारण को और बुद्धिजीवी वर्ग को कभी से सालते रहे हैं।

सम्पन्नता से भरे जीवन के बाद भी आत्मा तुष्टि के लिए संधान में जुटी रही है। यह आत्मा चूंकि उस अच्युत का ही अंश है अतः उसी के परम-स्वरूप का सान्निध्य पाने और उसी में लीन होने के लिए लालायित रहती है। हमारे समाज ने अच्छे-बुरे समय को देखा है पर उस समय में एकरसता का प्रसार करना, समाज में सौमनस्य स्थापित करने का कार्य जो हमारे साहित्यकारों ने किया है, उसे हम कथमपि न्यून नहीं कह सकते। हरियाणा की भूमि ने जहां राष्ट्रभाषा को समृद्ध करने वाले और सजग साहित्यकार दिए वहीं आंचलिकता को सम्पन्न करने वाली विभूतियां भी दीं। इन्हीं आंचलिक विभूतियों में एक नाम है कवि शिरोमणि दादा लखमीचंद का जो अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्य-कवि कहलाए। हम सभी जानते हैं कि जब सूर्योदय होता है तो आकाश के वो सितारे जो सूर्य के पीछे अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं, दिखाई नहीं देते और न ही वो सितारे दिखायी देते हैं जो सूर्य से पहले दिखायी देते हैं। सूर्य का आलोक है ही ऐसा।

यह तथ्य है कि हरियाणा का कोई संस्कृति-प्रेमी अभागा-सा ही प्रतीत होता है जो पण्डित लखमी चंद के नाम से अपरिचित प्रमाणित होता है। उनका नाम प्रदेश के अग्रगण्य साहित्यकारों में आता है। उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन सांगों के माध्यम से किया। सांग (स्वांग) हरियाणा की प्रसिद्ध अभिव्यक्ति-शैली है जिसमें एक समृद्ध परम्परा साफ-साफ हमारे सामने आ खड़ी होती है। पन्द्रह जुलाई सन् 1903 को जिला सोनीपत के गांव जांटी में जन्मे पण्डित लखमीचंद अपठित थे पर अक्षर ज्ञान न होने के बावजूद भी उन्होंने लोकप्रियता के जिस स्तर को छूआ, उसे जानकर आज भी उनका व्यक्तित्व स्पृहणीय है। बेशक वो अपठित थे लेकिन बहुश्रुत होना उन्हें बड़ा रास आया था। दो-सौ रुपये प्रतिमाह पर दो ब्राह्मणों को केवल इसलिए रखा कि वे उन्हें श्रीमद्भागवत की कथा सुना दिया करें और श्रवणोपरान्त किसी शब्द का सही अर्थ बता दिया करें तथा किसी शंका का समाधान भी प्रस्तुत कर दिया करें। उनकी यह सार-संग्रही -वृत्ति उन्हें अग्रगण्य बना गई।

मण्ढाणा गांव के जिस दिव्य और सिद्ध पुरुष के यह बात पुष्ट हुई कि इस (लखमीचंद) से क्या प्रश्न पूछा जाय, इसके तो मुख पर साक्षात सरस्वती का वास है। वैसे मण्ढाणे वाले बाबा की सिद्धियों की मैंने भी अपने घर-परिवार में सुनी है। उनकी एक प्रति या भिवानी के किरोड़ीमल मन्दिर में देखी जा सकती है।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है। सेठ ताराचन्द्र, शाही लक्कड़हारा, नल-दमयंती, मीरा बाई आदि उनके जितने भी स्वांग हैं, उनमें पात्रों को जिस प्रकार से भाव मण्डित किया गया है, वह बेमिसाल है।

परम तत्त्व के साथ जुड़ जाने की तीव्र लालसा और संसार की इच्छाओं और आकर्षण के प्रति बिराग लिए घूमना व्यक्ति को व्यक्ति नहीं कुछ और ही बना देता है। ऐसी अवस्था में ये बोल मुख से निकल आएं तो क्या आश्चर्य कि

'लख चौरासी खतम हुई ना बीत कलप युग चार गए
कितनी मायां का दूध पी लिया मरते-मरते हार गए।'

ऐसे विचार किसी मुमुक्षु के ही हो सकते हैं। उनके विचार जो सामने आते हैं, उनका स्तर जन सामान्य के स्तर से कहीं ऊंचा है।

लौकिक व्यवहार को जानने वाले इस सच से वाकिफ होंगे कि प्रणय-सम्बंधों की जब शुरुआत होती है तो पहला कदम पुरुष को ही उठाना होता है किंतु सत्यवान और सावित्री के प्रसंग में यह हरकत, यह पेशकश सावित्री की ओर से आती है। 'फर फर, फर-फर फररर.. होरी हवा में उड़ता चीर तेरा' नामक रागनी नारी का नर के आगे प्रणय निवेदन करना देखने और सुनने वाले में रोचकता को भर देता है। 'मेरा कुणसा ढंग सुसराड़ जान का दमयंती भोली-भाली, कोए बुरा कहै कोए भला कहै कोए राम-राम बुरा दे गाली' कविताई को जानने वाले सहज ही अनुमान लगा लेते हैं कि शब्द पण्डित जी के आगे प्रार्थना कर रहे हैं, अपने चयन के लिए। अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर उन्होंने सामाजिक हित के बहुत कार्य किए। वैदिक पाठशाला खोलना, गोशालाएं खोलना, तालाब आदि खुदवाना जैसे बहुत से प्रशंसनीय कार्य उन्होंने किए। कुछ विवशताओं के चलते उन्हें शराब पीने की लत भी लगी, जिसका परिणाम यह हुआ कि उनका स्वास्थ्य निरन्तर गिरने लगा। गाँव कुमासपुर में जनता के भारी आग्रह पर उन्हें एक सांग में लाया गया था। उस स्थान पर लोगों ने उनकी अन्तिम उपस्थिति देखी थी। वर्ष 1945 में वो देदीप्यमान नक्षत्र इस संसार से विदा ले गया। उनकी वंश परम्परा में आज उनके पौत्र पण्डित विष्णुदत्त हैं। शिष्य परम्परा में कई नाम हैं, पर पण्डित मांगेराम उनके सर्वाधिक प्रिय सांगी हुए हैं।

कविवर लखमीचंद के व्यक्तित्त्व और कृतित्व का प्रभाव क्या कहिए, कई दृष्टांत ऐसे हैं जो अचम्भित करते हैं। जैसे ही समाज में यह खबर फैली कि पण्डित लखमीचंद अब इस दुनिया में नहीं रहे तो रोहतक के सोनीपत स्टैंड पर एक किसान ने चीखते हुए अपने ऊपर मिट्टी का तेल डाला और आग लगा ली, उसके ये शब्द -'हाय दादा! तेरे बिना कोन्या जिया ज्यावै।' वह कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की। फिर कोई पण्डित मान सिंह सरीखा गुरु आए और पण्डित लखमीचन्द्र जैसा शिष्य दे दे।

रागनी | रामधारी खटकड़

बेटी हिन्दुस्तान की

सुण बेटी हिन्दुस्तान की तू बहोत घणी होशियार
जगत म्हं हो नाम...हे तेरी चाहूं जय जयकार (टेक)

सामाजिक प्रदूषण बढग्या, इसनै दूर हटाईये बेटी
नशीली इस संस्कृति म्हं बिल्कुल खो ना जाईये बेटी
विज्ञापन की चमक-दमक तै अपणा गात बचाईये बेटी
गुण्डागर्दी छीनाझपटी जगह-जगह इब दीक्खै हे
बाजार गर्म है नंगेपण का, हर चैनल पै चीखै हे
मॉडल आळा सपना लेकै, नया ऐब ना सीखै हे
बुराई तै टकरा...और नया माहौल कर त्यार.....
जगत म्हं हो नाम.....

भगतसिंह की दुर्गा भाभी, तनै बणाणा चाहूँ सूं
शहीदां नै इस देश के अन्दर फेर बुलाणा चाहूँ सूं
भ्रष्टाचारी इस सिस्टम तै पिण्ड छुड़ाणा चाहूँ सूं
कमरे म्हं फिल्मी चित्र, बिल्कुल ना चिपकाईये हे
बिगड़ी जा रही शान देश की, इसनै ईब बचाईये हे
चन्द्रशेखर राजगुरू सुखदेव का फोटू लाईये हे
चाहिए सै हथियार....हे ले ज्ञान हथियार....
जगत म्हं हो नाम......

काला चश्मा तार आंख तै, आंख खुलैगी तेरी हे
नन्हीं-नन्हीं जान देश की ढाब्यां पै दुख खे री हे
बर्तन मलमल जिन्दगी को ये मुश्किल धक्का दे री हे
किते-किते गोदाम सड़ैं, किते भूखे बच्चे रोते हैं
टूक मिलै ना पेट भराई, सुबक-सुबक कै सोते हैं
भ्रष्टाचारी माणस देखो मिलकै नाव डुबोते हैं
मिलकै इसे बचा...ना तै डुब्बैगी मझधार......
जगत म्हं हो नाम.............

स्वाभिमान तै जीणा सीख, बात मेरी ले मान लाडली
हर क्षेत्र म्हं आगै बढकै, हिन्द की बणज्या शान लाडली
तेरे लबों से सुणना चाहूं, जागृति का गान लाडली
दुनियां म्हं म्हारी इज्जत बढज्या, ऐसे करिये काम हे
तेरा पिता मैं न्यूं चाहूं, तू म्हारा कर दे नाम हे
हम जीन्द जिले के रहणे आळे, खटकड़ सै म्हारा गाम हे
रामधारी नै तू गा....फेर नया बसै संसार.......
जगत म्हं हो नाम

रागनी | पवन मित्तल

कवि सै दरबारी कोन्या

कवि सै दरबारी कोन्या, इतने अनाचारी कोन्या ।
सत्ता के पुजारी कोन्या, जो गीत उनके गाएं जां ॥ टेक

कवि धोरै कवि आवैं, चलै ज्ञान के रगड़े
तर्कशास्त्र करने की खातिर, सारे होज्यां तगड़े
रहण दो सब झगड़े टंटे, छलकै उड़ै प्रेम के बंटे
होज्यां बारहा-बारहा घंटे, सुने जां सुनाये जां...1

सच्चाई तै लिखना म्हारा, ना भय कोए गम ना
सब दुनिया का भला चाहवै सै, हम किसै तै कम ना
चलै कलम जब भी म्हारे पै, चोरां की नाड़ धरी आरे पै
समता और भाईचारे पै, लिखे जां लिखाये जां...2

कवि धर्म एकाधां जाणै, बहोत मिलै बेवकूफ
बनकै भांड घणे हांडै सै, इसाए इनका भूप
फिर कोई नेताजी चाहिए, ना कमती ना बाहदू चाहिए
राजनीति का साधु चाहिए, जो बसे जां बसाए जां...3

पवन मित्तल कवियां म्हं रहकै, मन होग्या सै जोगी
डर भय का कोए काम नहीं, डरा करै सै भोगी
बामणवास का नाम करादे, जियानंद का भजन करादे
देश हित की रागनी करादे, गाएं जां बजाये जां....4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

जागीर | मराठों ने जार्ज थॉमस की बढ़ती शक्ति को देख अपने कमांडर जनरल पैरों को उस पर धावा बोलने के आदेश दिए

जहाजगढ़ में 1801 में हुआ था भीषण युद्ध

इतिहास | यशपाल गुलिया

झज्जर के पश्चिम में स्थित जहाजगढ़ गांव के इर्द गिर्द महीने भर तक भीषण युद्ध हुआ था। दिल्ली दरबार पर मराठों का वर्चस्व कायम होने पर उन्होंने आयरलैंड वासी अपने एक कमांडर को झज्जर की जागीर प्रदान की थी। जार्ज थॉमस नामक यह अधिकारी कुछ ही महीनों में इतना शक्तिशाली बन गया कि उसने न केवल जहाजगढ़ में एक किला बना लिया बल्कि मराठों से स्वतन्त्र होकर अपना एक नया राज्य ही स्थापित कर लिया था। ये सभी गतिविधियां वर्ष 1794 से 1801 के मध्य की गई थी।

दिल्ली की तलहटी से लेकर हांसी-हिसार तक गठित अपने राज्य का नाम सर्वप्रथम हरियाणा उसी ने रखा था लेकिन उसके इतना बलशाली एवं स्वतन्त्र होने पर मराठों को दिल्ली के लिए खतरा अनुभव होने लग गया था। तब वर्ष 1801 में मराठा मुखिया सिंधिया ने अपने कमांडर जनरल पैरों को जार्ज पर धावा बोलने का आदेश दे दिया। लेकिन तब तक जार्ज थॉमस एक बड़ी सेना गठित कर चुका था। वह हांसी के किले में तोपे बनाने का कार्य कर चुका था। उसके तीन और स्थानों झज्जर, जहाजगढ़ तथा हांसी में पर्याप्त युद्ध सामग्री का संग्रह हो चुका था। मराठों तथा जार्ज दोनों की सेनाओं में यूरोपीय कमांडर नियुक्त थे। जनरल पैरो फ्रान्स देश का वासी था। अन्ततः वार्ता आदि के विफल रहने पर मराठा सेना ने लुईस बौरकीन के नेतृत्व में जार्ज के गढ़ जहाजगढ़ पर सितम्बर 1801 में आक्रमण कर दिया। जनरल पैरों स्वयं झज्जर तक आया तथा भरे खां नामक अधिकारी को झज्जर का प्रशासक बनाया गया। फिर बौरकीन व स्मीथ की सेना ने भारावास थली तथा माजरा गांव के पास कैम्प किया। उधर जार्ज भी हांसी का चार्ज रोहिला बटालियन को सौंपकर जहाजगढ़ किले में पहुंच गया और सितम्बर के अन्तिम सप्ताह से ही युद्ध आरम्भ हो गया। दोनो ओर से तोपें चलती रहीं। प्रायः प्रतिदिन युद्ध होने लग गया। जार्ज के पास भी तीन विश्वासपात्र युरोपीय कमांडर होपकीन, कैप्टन ब्रीच व कैप्टन हीयरसे थे। जिन्होंने मराठा सेना का महीने भर तक मुंहतोड़ जवाब दिया। तब मराठों के सामने ज्यादातर देशी शासक नतमस्तक होते थे, इसलिए जनरल के आग्रह से विभिन्न देशी शासकों की सैन्य सहायता भी जहाजगढ़ में पहुंच गई। इनमें सिख शासक गुरदत्त सिंह, गंगा सिंह, भाई लाल सिंह, ब्रजबन्दी सिंह, भरतपुर शासक रणजीत सिंह, हाथरस राजा रामधन सिंह, दोआब आमील रामदयाल तथा बेगम समरू के सैनिक जहाजगढ़ पहुंच गए। ऐसे में स्वयं आंकलन कर सकते हैं कि इतनी भारी भरकम सैन्य शक्ति का मुकाबला जार्ज ने किया था तो कितना भीषण युद्ध हुआ होगा। इस प्रकार सन 1801 का पूरा अक्टूबर महीना जहाजगढ़ के इर्द-गिर्द युद्ध हुआ। अन्त में जॉर्ज के किलेदार सिताब खां ने दुश्मन से मिलकर जहाजगढ़ के किले में आग लगा दी। तब बचे हुए अपने सैनिकों के साथ जार्ज 10 नवम्बर 1801 की रात को हांसी पलायन कर गया। मराठों की सम्मिलित सेना भी पीछा करती हुई एक सप्ताह बाद हांसी के बाहर पहुंच गई। 8-10 दिनों तक जार्ज की सेना ने हांसी में भी युद्ध किया। आखिर कुछ युरोपीय सैनिकों के परामर्श से जार्ज ने दिसम्बर 1801 में आत्मसमर्पण कर दिया। आश्चर्य की बात है कि उस भीषण ऐतिहासिक युद्ध का हरियाणा प्रदेश के शिक्षा विभाग की किसी भी पुस्तक में विवरण नहीं दिया गया है।

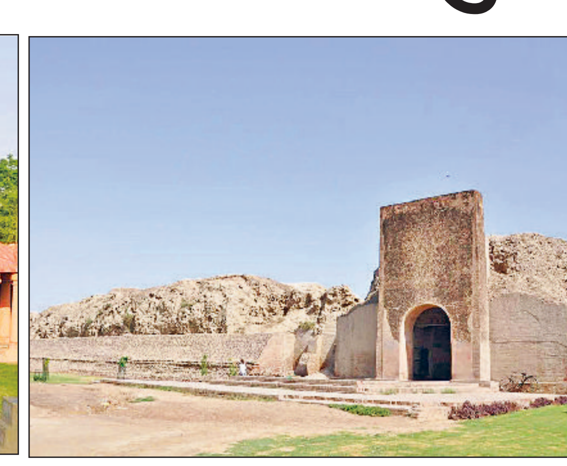

हिसार स्थित जॉर्ज कोठी जो जॉर्ज थॉमस का निवास स्थान थी, इसे वर्तमान में जहाज कोठी के नाम से जानते हैं। हांसी के प्राचीन किले के अवशेष जहां जॉर्ज ने अपने राज्य की राजधानी स्थापित की।

लोक कला एवं संस्कृति अतीत की विरासत : डॉ. सीमा वत्स

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी संस्कृति में लोक कला एवं संगीत की परंपरा की विरासत को संजोने के लिए लोक कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला के रंग बिखेर रहे हैं। ऐसे ही कलाकारों में महिला लोक कलाकार डा. सीमा वत्स भी कविताओं और गीत संगीत के साथ लोक नृत्य की कला को आगे बढ़ाने में जुटी हैं। अपनी लोक कला के जरिए वह लिंग भेदभाव, नारी विमर्श और सामाजिक सरोकार के मुद्दों को लेकर समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रही हैं। खासकर वह नई पीढ़ी को लोक कला एवं संस्कृति की शिक्षा देकर उन्हें अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का भी संदेश दे रही हैं।

अपनी लोक नृत्य और गीत संगीत के सफर को लेकर एक शिक्षिका, कवयित्री और लोक कलाकार डा. सीमा वत्स ने बातचीत के दौरान कई ऐसे पहलुओं को भी रखा है, जिसमें लोक कला, संगीत और संस्कृति एक अतीत की विरासत ही नहीं है, बल्कि भविष्य का आधार भी हैं, जिससे अपनी संस्कृति को जीवंत रखने के साथ युवा पीढ़ी को आत्मिक, रचनात्मक और सामाजिक रूप से समृद्ध बनाना संभव है। हरियाणा की लोक कलाकार डा. सीमा वत्स (डॉ. सीमा रानी) का जन्म 4 मई 1981 को करनाल जिले के घरौंडा में मध्यमवर्गीय ब्राह्मण परिवार में हरिकिशन शर्मा और कमला देवी के घर में हुआ। घर परिवार में किसी तरह का साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था, लेकिन घरों में तीज़ त्योहार शादी ब्याह आदि समारोह में गीत, संगीत, नृत्य, अभिनय जैसी कलाकारी देखने को जरूर मिलती रही। उनकी प्राइमरी से इंटरमिडिएट की शिक्षा सरकारी स्कूल में हुई। आर्य कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ही महज 19 साल की आयु में इनका विवाह हो गया और अगले वर्ष मातृत्व सुख और गृहस्थ जीवन की जिम्मेवारियों के साथ पढ़ाई को जारी रखना और लोक कला को जीवित रखना उनके लिए संघर्षशील रहा। चबचपन से ही उन्हें गीत संगीत की अभिरुचि के साथ साहित्य का भी शौक था। उन्होंने एमएससी किया और दोबारा से एमए (अंग्रेजी) की शिक्षा पूरी की। इसके बाद वह पीएचडी पूरी करने में भी कामयाब रही। जीवन के ऐसे उतार-चढ़ाव के बीच उन्होंने लोक नृत्य विधा को अपने से दूर नहीं होने दिया। लोक संस्कृति में नृत्य और गीत की अभिरुचि के चलते ही उन्होंने ग्रेजुएशन में संगीत विषय को चुना था। बकौल डा. सीमा वत्स उनकी कला एवं साहित्यिक गतिविधियों तथा लेखन का फोकस सामाजिक सरोकार के मुद्दे रहे हैं। पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों का और भीख मांगते बच्चों का स्कूल में दाखिला, पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कार्य कर रही हैं। डा. सीमा वत्स गीता जयंती, जिला स्तरीय कार्यक्रमों, कवि सम्मेलन और काव्य गोष्ठी, रेडियो आकाशवाणी आदि में अपने लोक नृत्य का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्हें कार्यस्थल और घर की कक्षाओं में सांस्कृतिक प्रभारी और कोरियोग्राफर के अलावा जिला राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में कोरियोग्राफर के रूप में कार्य करने का भी अनुभव है।

पुरस्कार और सम्मान

लोक कलाकार डा. सीमा वत्स को लोक कला व संगीत में अनेक पुरस्कार व सम्मानों से नवाजा जा चुका है। भारत नेपाल साहित्य सम्मेलन में स्वर साधना मंच द्वारा उन्हें काव्य स्पंदन सम्मान से अलंकृत किया जा चुका है। वहीं उन्हें गोपाल दास नीरज साहित्य समूह साहित्य सम्मान, पंडित रामप्रसाद बिस्मिल सम्मान, कला सांस्कृतिक साहित्य सम्मान, सनिधा साहित्य श्री सम्मान, राष्ट्र शक्ति शिरोमणि सम्मान, बी एम बी एक्सीलेंस अवार्ड और लखनऊ में हेल्प यू नारी अस्मिता सम्मान से भी पुरस्कृत किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें सार्थक सेवा समिति, आशा रंगलाल जगदेव फाउंडेशन और श्री शक्ति स्वरूपा भव्य भारत की दिव्य विभूति जैसी संस्थाएं सम्मानित कर चुकी हैं।

आधुनिक युग में चुनौती

डा. सीमा वत्स का इस आधुनिक युग में लोक कला एवं संस्कृति के सामने चुनौतियों को लेकर कहना है कि इंटरनेट व सोशल मीडिया के प्रभाव, लोक कला, रंगमंच, अभिनय, संस्कृति और साहित्य जैसी परंपरागत विधाओं में देखा जा रहा है। खासकर युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर होती जा रही है, जिसके कारण पहले की तुलना में कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि कुछ कम होना स्वाभाविक है। खासतौर से डिजिटल युग में पारंपरिक कलाओं की जगह आधुनिक, तकनीकी और त्वरित मनोरंजन के साधन बन गये और युवाओं को ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, सोशल मीडिया, गेमिंग और रील्स जैसी चीजें भाने लगी हैं। जबकि लोक कला या साहित्य जैसे क्षेत्र ही समाज को सकारात्मक ऊर्जा और अपनी संस्कृति से जोड़े रखता है। ऐसे में आवश्यकता है कि युवाओं को साहित्य और लोक कला व संस्कृति के प्रति प्रेरित करने की दिशा में स्कूली और कॉलेज स्तर पर पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। वहीं सरकारी और निजी स्तर पर लोक कला व संस्कृति के संरक्षण और प्रोत्साहन देने की जरूरत है।

खबर संक्षेप

चीका से जत्था प्रजापति जयंती के लिए रवाना

गुहला चीका। भिवानी में आयोजित गुरू दक्ष प्रजापति जयंती समारोह के लिए चीका से सदस्यों ने भागीदारी की। आचार्य हरिओम शोकल व जयभगवान प्रजापति ने बताया कि चीका से संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने भाग लिया। मौके पर महावीर प्रजापति, शिशपाल प्रजापति, सुरेश कुमार, कर्म सिंह प्रजापति, अशोक चीका, रूलदू, राजेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

उचाना में रक्तदान शिविर आज

उचान। महाराजा अग्रसेन मंदिर में सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। शिविर आयोजक अनिल खटकड़ ने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। अनिल खटकड़ द्वारा रक्ताओं को हेलमेट दिए जाएंगे।

मुकेश यादगार समिति ने किया कार्यक्रम

नरवाना। शनिवार संध्या स्थानीय मिलन पैलेस नरवाना में मुकेश यादगार समिति द्वारा परिवार मिलन कार्यक्रम मनाया गया जिसमें संस्था के सदस्यों ने महान पाश्र्व गायक मुकेश के गीत गाकर खूब आनंद उठाया। मंच संचालन नरेश अरोड़ा द्वारा किया गया। प्रधान अवधेश शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मिष्ठान की व्यवस्था मैडम करमजीत शर्मा द्वारा की गई। बाल कलाकार वेदांत गर्ग ने कीबोर्ड की धुन के साथ मेरा जूता है जापानी गीत प्रस्तुत कर मंत्रमुग्ध किया।

सीटी स्कैन विभाग का उद्घाटन समारोह कल

पूंडरी। कैथल-करनाल मार्ग पर स्थित ओम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में मंगलवार 15 जुलाई को एक विशेष आयोजन होने जा रहा है, जिसमें शिव परिवार की स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथ-साथ सी.टी. स्कैन विभाग का उद्घाटन भी किया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल शिरकत करेंगे।

अब मंडी में बारिश के समय जलभराव की समस्या होगी दूर

आढ़तियों और किसानों की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

बारिश के मौसम हर साल पुरानी मंडी में होने वाले जलभराव की समस्या अब दूर होगी। आढ़तियों, किसानों द्वारा इस समस्या को लेकर कुछ माह पहले विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री को अवगत करवाया था।

विधायक द्वारा मंडी से बारिश के पानी की निकासी का पुख्ता प्रबंध करते हुए यहां पर पानी निकासी को लेकर लगाई गई 25 हार्स पॉवर की मोटर की जगह 50 हार्स पॉवर की मोटर को मंजूर करवाया। यहां पर करीब साढ़े सात लाख रुपये की लागत से 50 हार्स पॉवर की मोटर मार्केटिंग बोर्ड रख दी गई है। अब बारिश के मौसम में बारिश के पानी की निकासी साथ-साथ तेज गति से होगी। मंडी में जलभराव की जो समस्या करीब 30 साल से चली आ रही थी उस समस्या का समाधान होगा। आढ़ती सुरेश, रामनिवास, सतपाल ने कहा कि मंडी में जलभराव की समस्या कोई नई नही है बल्कि वर्षों पुरानी है। यहां पर ड्रेन बनने के बाद भी पानी की निकासी साथ-साथ नहीं हो रही थी। कुछ माह पहले जब विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री मंडी के दौरे पर थे तो यहां पर जो मोटर 25 हार्स पॉवर की थी, उसकी जगह 50 हार्स पॉवर की मोटर रखे जाने की मांग की थी। ये मांग अब पूरी हो गई है। इस मांग के पूरा होने से पानी की निकासी तेज गति से होने के चलते मंडी में जो जल भराव की समस्या थी उससे छुटकारा मिलेगा।

अब से पहले किसी भी विधायक ने इस तरह से समस्या का जड़ से समाधान करने के लिए कुछ नहीं किया जो विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने करने का काम किया है। आढ़ती एसोसिएशन प्रधान विकास पंघाल ने कहा कि बारिश के मौसम में जलभराव होने से पुरानी मंडीए कपास मंडी, फायर ब्रिगेड के साथ वाली मंडी के साथ.साथ अन्य जगहों पर जलभराव होता था। बारिश के मौसम में फसल जो मंडी के प्लेटपुार्मों पर होती थी वो जलभराव होने से खराब होने का डर रहता था।

कई बार तो जलभराव अधिक होने पर वाहनों के आवागमन से पानी दुकानों में भर जाने के चलते मंडी के गेट तक बंद करने पड़ते थे। विधायक ने आढ़तियों, किसानों की वर्षों पुरानी मांग पूरी की है।

मार्केटिंग कमेटी प्रांगण में लगाई गई बारिश के पानी की निकासी को लेकर 50 हार्स पॉवर की मोटर।

जलभराव की समस्या होगी जड़ से दूर

उचाना विधायक देवेंद्र अत्री ने बताया कि मंडी के अलावा जहां-जहां जलभराव की समस्या है उसे दूर किया जाएगा। ये कई सालों पुरानी समस्या है। अधिकारियों से बातचीत करके इस समस्या का स्थाई समाधान करने के लिए कार्य शुरू कर दिया गया है। उचाना में जो.जो समस्याएं है उनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर करने का काम किया जा रहा है।

बजट जारी होने के बाद भी शुरू न होने वाले कार्यों की सीएम को सूची सौंपी

करोड़ों के बजट को खर्च करने में रुचि नहीं ले रहे नपा अधिकारी

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से जल्द समाधान की मांग रखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलायत

शहर के विकास को लेकर सरकार द्वारा खोले गए खजाने के मुंह के बाद भी अधिकारी विकास कार्यो में रुचि नहीं ले रहे। हरियाणा में शायद यह ऐसा पहला मामला है जिसमें बजट की व्यापक उपलब्धा है और अधिकारी टेंडर प्रक्रिया को पूरा करने से दूरी बनाए हैं।

कैथल में आयोजित जन प्रतिनिधि सम्मेलन एवं जन संवाद कार्यक्रम में कलायत नगर पालिका से संबंधित यह मुद्दा मुख्य रूप से सीएम के पटल पर पहुंचा। पार्षदों द्वारा संयुक्त रूप से सीएम नायब सिंह सैनी के नाम मांग पत्र सौंपा गया। मांग पत्र सौंपने वालों को पार्षद कुमारी रेणू धानियां, कुलदीप दहिया, सचिन राणा, प्रीत जगदेव, प्रदीप राणा, महीपाल पंवार, संजय सिंगला, विनोद जेष्ठ, रवींद्र निर्मल बंटी व अन्य पार्षद शामिल रहे।

इन जन प्रतिनिधियों ने अतिथि देवो भव परंपरा के तहत भगवान कपिल मुनि महाराज का चित्र सम्मान स्वरूप सीएम नायब सिंह सैनी को पूर्व राज्यमंत्री कमलेश ढांडा के आवास पर भेंट किया। जो मांग पत्र पार्षदों द्वारा सीएम के नाम सौंपा गया उसमें शहर के संपूर्ण विकास से जुड़े मुद्दे शामिल रहे।

पार्षदों ने बताया

पार्षदों ने बताया कि सीएम द्वारा कलायत के वार्ड एक में संत सिरोमणि गुरु रविदास सामुदायिक भवन के लिए करीब 1 करोड़ रूपए का बजट जारी किया गया है। इसके साथ ही 33 लाख रूपए से आधुनिक पुस्तकालय विकसित होना है। लंबा समय बीत जाने के बाद भी नगर पालिका द्वारा इसकी टेंडर प्रक्रिया में रुचि नहीं ली जा रही। इसके चलते सरकार द्वारा बजट जारी करने के बाद भी इसका लाभ लोगों को नहीं मिल रहा। वार्ड तीन व चार की पुरानी-टूटी गलियों के कायाकल्प के लिए बजट मुहैया करवाने की मांग उठी।

कैथल कैथल में आयोजित जन प्रतिनिधि सम्मेलन एवं जन संवाद कार्यक्रम में मौजूद सीएम नायब सिंह सैनी व भाजपा नेता

भाजपा शासन में हरियाणा डूबा अपराध की गर्त में: रणदीप सुरजेवाला

कैथल। हरियाणा में लगातार हो रहे अपराध, हत्या, धमकी, जबरन वसूली तथा हर जिलों में महाजंगलराज पर सांसद एवं कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आज प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के राज में अपराध का अमृतकाल चल रहा है। किसान भवन पर कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला व विधायक आदित्य सुरजेवाला ने जनता की समस्याएं सुनीं व मौके पर ही निपटारा भी किया। मुख्यमंत्री नायब सैनी पर प्रहार करते हुए रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री के पास खुद गृह विभाग है और जिस तरह से अपराध का बेतहाशा विकास हो रहा है, इससे नायब सैनी नाकाम साबित हो चुके है। सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में गैंगस्टर्स का आतंक बहुत ज्यादा बढ़ गया है, संगठित अपराध की खुलेआम सक्रियता ने राज्य को जंगलराज की ओर धकेल दिया है। गुरुग्राम, फरीदाबाद, पानीपत, रोहतक, यमुनानगर, हिसार, सिरसा जैसे अन्य शहरों से लेकर हर कोने में दिनदहाड़े फायरिंग और धमकियों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। भाजपा की नाक तले अपराधी अपराध को अंजाम दे रहे हैं, और सरकार कुंभकर्णी नींद सो रही है। उन्होंने कहा कि मई और जून महीने में हत्या, रंगदारी, फायरिंग की 30 से ज्यादा घटनाएं हुई हैं।

शिवरात्रि महोत्सव की तैयारियां पूरी कांवड़ शिविर के लिए ड्यूटी तय

गुहला-चीका। श्री भवानी मंदिर चीका में आगामी शिवरात्रि महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। आयोजनकर्ता आदर्श नाटक क्लब के प्रधान बलबीर सैनी ने जानकारी दी कि महोत्सव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी शिवभक्त कांवड़ियों के लिए 19 जुलाई से कांवड़ शिविर लगाया जाएगा। इसमें जलपान, भोजन और रात्रि विश्राम जैसी सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की गई है। इन व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए संस्था के सदस्यों की ड्यूटी आज निर्धारित कर दी गई है। सावन माह की शुरुआत के साथ ही श्री भवानी मंदिर में 'बम-बम भोले' के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया है।

दिल्ली की सीएम गुप्ता रेखा के जन्मदिन पर जुलाना को मिले बड़ी सौगातः दलजीत मलिक

जींद। देव हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दलजीत मलिक ने कहा कि जुलाना में 19 जून को दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को जन्मदिन मनाया जा रहा है। सीएम नायब सैनी कार्यक्रम मे शामिल हो रहे हैं। जोकि जुलाना के लिए ऐतिहासिक दिन है। जुलाना को सब डिवीजन का दर्जा तो दे दिया लेकिन सुविधा के नाम पर कुछ नही है। यहां पर एसडीएम की तो नियुक्ति कर दी गई लेकिन लघु सचिवालय के रूप इमारत अब भी नही बनी है। तहसील कार्यालय में अस्थायी तौर पर चलाया जा रहा है। सब डिवीजन पर ज्यूडिशियल सेवा का होने जरूरी है। जुलाना का दिल्ली से सड़क मार्ग तथा रेलमार्ग से जुड़ाव है। नेशनल हाईवे 152डी भी जुलाना से गुजरता है। अब दिल्ली तथा हरियाणा के सीएम दोनों यहां पर आ रहे हैं। जुलाना के लोगों को आशा है कि यहां विकास का मजबूत ढांचा मिले और कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिले ताकि लोगों के लिए दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का जन्मदिन यादगार बने।

दलजीत मलिक।

राजौंद के विकास के लिए उठाए जाएंगे कदम

राजौंद। नगर के कि असंध रोड पर लोगों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नगर के लोगों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता सोनू वर्मा ने की उन्होंने कहा कि राजौंद में धरातल पर कहीं काम नजर नहीं आ रहा जिसे लेकर लोगों ने रोष प्रकट किया। सोनू वर्मा ने कहा कि नगर पालिका को बने 9 साल हो चुके हैं लेकिन विकास कार्य के नाम पर खाना पूर्ति की गई है।

पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पौधरोपण कार्यक्रम

नरवाना। राजकीय महाविद्यालय द्वारा जयपाल सिंह के मार्गदर्शन में व्यापक पौधारोपण खेत चार विद्यालयो? देवालय में तथा बीजारोपण कार्यक्रम राजवाहेएनालीए राजमार्ग के साथ चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में खरल गांव के चिकित्सालय एवं तालाब के क्षेत्र में छोटे विद्यार्थियो द्वारा एक पेड़ मां के नाम से दादा. पोता वाटिका में पौधारोपण किया गया।हथोए फूलिया कलांएढाकलए तारखां एवं काब्रच्छा गांव में भी स्थानीय विद्यार्थियों के सहयोग से खेत क्यार और विद्यालयों में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। एक पेड़ वर्ष में लगभग 30 लाख की शुद्ध वायु उत्पन्न करता है। पौधों के संरक्षण का भी उत्तरदायित्व विद्यार्थियों ने लिया है। इस कार्यक्रम में सहयोग नर्सरी नरवाना के महेंद्र सिंह अश्वनी कुमाएर सुभाष एवं मारिया के साथ प्रोफेसर शैलेंद्र नैनएबसाऊरामए रविए काव्याए शिवम्एपाला अजितए सुमितए सौरभएदीपकए दीपांशुए हवासिंह और दिलबाग सिंह का भी सहयोग रहा है।

मेरिट अनुसार स्टेशन दिए

टीजीटी पंजाबी से पीजीटी पंजाबी के पद पर पदोन्नत शिक्षकों को दराज भेजना अन्याय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

माध्यमिक शिक्षा विभाग हरियाणा की तरफ से मई में 20 पंजाबी अध्यापकों के पंजाबी प्रवक्ता के पद पर पदोन्नत किया गया था । उसके बाद अन्य विषयों पदोन्नति सूची जारी हुई थी । अन्य सभी विषयों के पदोन्नत प्राध्यापकों को लिंक जारी करके पोर्टल के माध्यम से मेरिट अनुसार स्टेशन दिए गए लेकिन पंजाबी के पद पर पदोन्नत अध्यापकों को इसमें शामिल नहीं किया गया । विभाग द्वारा अध्यापकों से बिना कोई स्टेशन की चॉइस मांगे ही मनमर्जी स्टेशन अलॉट कर दिए गए । यह स्टेशन भी दूरदराज दिए गए हैं जो कि पंजाबी अध्यापकों के साथ भेदभाव व सरासर अन्याय है। कर्मचारी भवन रोहतक में आयोजित हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की दो दिवसीय राज्य कार्यकारिणी की मीटिंग में इसके विरोध पर सहमति बनी। राज्य मीटिंग की अध्यक्षता प्रधान प्रभु सिंह व संचालन राज्य महासचिव रामपाल शर्मा ने किया। इसमें 15 ज़िलों व राज्य कमेटी के 17 साथियों सहित कुल 35 पदाधिकारियों ने भाग लिया। मीटिंग में इस मुद्दे पर यह भी संज्ञान लिया गया कि पंजाबी की पदोन्नति सूची 18 साल के बाद जारी हुई है वह भी आधी-अधूरी! इस मौके पर वीर सिंह, देशराज, प्रमोद, निर्मला आर्य, संजीव सिंगला, अजीत सिंह, कृष्ण शास्त्री, राजकुमार गुरूग्राम, नरेश झज्जर, निशा रोहतक आदि शामिल रहें।

कैथल। अध्यापक नेता कर्मचारियों को संबोधित करते हुए फोटो : हरिभूमि

सावन मास भगवान महादेव को अतिप्रिय : शांडिल्य

उचाना। सावन माह में लाला प्रभुदयाल चौधरी धर्मशाला में प्रवचन करते हुए राधा-कृष्ण मंदिर पुजारी सत्यनारायण शांडिल्य ने कहा कि भगवान महादेव की आराधना का पावन मास श्रावन मास भगवान महादेव को अतिप्रिय है। भगवान शिव जैसा कृपालु, दयालु कोई दूसरा देव नहीं है। जल, दूध, `बेलपत्र, भांग, धतूरा चढ़ाने एवं प्रणाम करने मात्र से ही ये प्रसन्न होकर मनोवांछित फल प्रदान कर देते हैं। भगवान महादेव स्वयं अभाव में रहते हुए भी भक्तों के अभावों को हरने वाले हैं। आशुतोष भगवान महादेव की अल्प आराधना भी रंक को राजा बना देती है। इस पावन श्रावण मास में भगवान महादेव का अर्चन करके अपने जीवन को सफल एवं सार्थक बनाने का सौभाग्य हम सबको अवश्य प्राप्त करना चाहिए। भगवान महादेव से समस्त विश्व के मंगल एवं कल्याण की कामना करते हुए प्राणीमात्र पर उनकी कृपा दृष्टि बनी रहेए ऐसी साम्ब.सदाशिव प्रभु के श्री चरणों में प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा कि बिना विष को पिये और विषमता को पचा कोई भी महान नहीं बन सकता है। देवाधिदेव भगवान महादेव का इस श्रावण मास में पूजन करते हुए उनके पावन जीवन चरित्र से बहुत कुछ सीखने और समझने योग्य है।

गुरुनानक पब्लिक स्कूल फरल में मैथ्स बिंगो प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

गुरुनानक पब्लिक स्कूल फरल में विद्यार्थियों के लिए मैथ्स बिंगो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बड़ी उत्सुकता और उमंग के साथ भाग लिया। इस रोचक खेल के माध्यम से न सिर्फ गणितीय ज्ञान में वृद्धि हुई, बल्कि बच्चों को टीम वर्क, तर्कशक्ति और तेज सोचने की क्षमता का भी व्यावहारिक अनुभव मिला। विद्यालय प्रिंसीपल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा हमारा उद्देश्य शिक्षा को केवल किताबों तक सीमित न रखते हुए उसे आनंददायक और जीवन से जोडऩा है। मैथ्स बिंगो ने बच्चों को खेल-खेल में गणित से जोडऩे का सुंदर अवसर दिया। कार्यक्रम में विजयी छात्रों को सम्मानित किया गया । यह आयोजन विद्यालय के समर्पित शिक्षकों और प्रबंधन टीम की सृजनात्मक सोच का परिणाम था, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रयासरत हैं।

मैथ्स बिंगो प्रतियोगिता में भाग लेते गुरुनानक स्कूल फरल के विद्यार्थी।

दूषित पानी से गांववाले बीमार

गुहला चीका। गांव दुसेरपुर में पिछले लगभग एक वर्ष से जलघर से दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है, जिससे ग्रामीणों को मजबूरन वही पानी पीना पड़ रहा है। गांव निवासी हुकम सिंह मैहला ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि जलघर से जो पानी आ रहा है, वह न केवल पीने लायक नहीं है बल्कि नहाने के भी योग्य नहीं है। पंचायत द्वारा कई बार संबंधित विभाग को शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। कुछ दिन पहले पब्लिक हेल्थ विभाग के एसडीओ और जेई गांव में निरीक्षण करने आए थे। उन्होंने भी स्वीकार किया कि जलघर से आने वाला पानी दूषित है और बोरवेल खराब हो चुका है, जिसमें अत्यधिक मात्रा में मिट्टी आ रही है। इस कारण बोरवेल की मोटर भी बार-बार खराब हो रही है। एसडीओ ने यह भी बताया कि फिलहाल किसानों के ट्यूबवेल से अस्थायी तौर पर पानी की आपूर्ति करने का प्रयास किया गया था, लेकिन धान की फसल के चलते किसान इसके लिए तैयार नहीं हुए। गांव के ही नारायण दत्त शर्मा ने बताया कि गांव में कई लोग कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से डरे हुए हैं साथ ही, पेट और लीवर से जुड़ी बीमारियों के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। उन्होंने बताया कि ट्यूबवेल की मोटर भी महीने में दो बार खराब हो चुकी है क्योंकि पानी में अत्यधिक मिट्टी और रेत है। जेई ने जानकारी दी कि नया बोरवेल लगाने के लिए एस्टीमेट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेजा जा चुका है। जल्द ही स्वीकृति मिलने के बाद नया बोरवेल स्थापित कर दिया जाएगा।

मैथ क्विज प्रतियोगिता में अभय हाउस रहा विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

अकाल अकादमी हाबड़ी में गणित विभाग द्वारा इंटर हाउस मैथ क्विज प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस प्रतियोगिता का संचालन कक्षा बारहवीं की छात्राओं ने आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल के साथ किया, जो छात्रों की प्रतिभा और संगठनात्मक क्षमता को दर्शाता है। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या गुरप्रीत कौर ने विशेष रूप से शिरकत कर विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें गणित के प्रति रुचि विकसित करने के लिए प्रेरित किया।प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों हाउसों ने सक्रिय भागीदारी निभाई, जिनमें अभय हाउस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रधानाचार्या द्वारा भेंट किए गए। विद्यालय प्रशासन ने ऐसे आयोजनों को भविष्य में भी नियमित रूप से जारी रखने की घोषणा की।

प्रतियोगिता में भाग लेते अकाल अकादमी हाबड़ी के बच्चे।

संस्कारों की गिरावट से हिला समाजः रघुवीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

हिसार में विद्यालय के प्रिंसिपल की छात्रों द्वारा हत्या किए जाने की घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। इस जघन्य कृत्य पर सर्वजातीय बिनैण खाप के प्रधान रघुवीर सिंह नैन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और इसे संस्कारों की गिरावट और सामाजिक विघटन का गंभीर संकेत बताया है। रघुवीर सिंह नैन ने कहा कि यह बेहद दुखद और शर्मनाक घटना है कि जिन बच्चों को शिक्षा और अनुशासन का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए था। वे अपने ही गुरु की हत्या जैसे पापपूर्ण अपराध को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने इस अपराध की कड़ी निंदा करते हुए इसे कलयुग के प्रभाव और मूल्यों के पतन का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान भगवान से भी ऊपर रखा गया है। इसका प्रमाण संत कबीर का प्रसिद्ध दोहा है। गुरु गोविंद दोउ खड़ेए काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपनोए गोविंद दियो बताय॥ नैन ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि मोबाइल और इंटरनेट की लत ने बच्चों को उनके परिवार और बुजुर्गों से दूर कर दिया है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों के साथ सुबह.शाम बैठेंए संवाद करें और उन्हें जीवन के सही मूल्य सिखाएं।

जींद। बैठक में मौजूद लोग।

कोच कर्णदेव ने योग स्पर्धा में प्रदेश में रहे प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित योगासन प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल के योग कोच कर्णदेव ने हरियाणा में प्रथम स्थान प्राप्त कर जींद के गौरव को बढ़ाया है। कर्णदेव के बधाई देते हुए हरियाणा योगासन खेल एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. धर्मदेव विद्यार्थी ने बताया कि जिलाभर में खेल योग प्रतियोगिताएं सुचारू रूप से चलने के लिए जींद जिला के संगठन का पुनर्गठन किया जाएगा। जिला संगठन के सदस्य बनने के लिए सदस्यता खोली गई है। कोई भी व्यक्ति डीएवी पब्लिक स्कूल में कर्णदेव से सदस्यता फार्म प्राप्त कर सदस्यता ग्रहण कर सकता है। इन सभी सदस्यों की बैठक 20 जुलाई को डीएवी स्कूल में होगी। जिसमें जिलास्तरीय योगासन कमेटी का गठन किया जाएगा तथा जिला स्तर पर करवाई जाने वाली प्रतियोगिता के लिए तकनीकी समिति का गठन भी किया जाएगा। पंचकूला में हरियाणा योग आयोग के अध्यक्ष डा. जयदीप आर्य की अध्यक्षता में राज्य में योग खेल प्रतियोगिताएं अच्छे ढंग से करवाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं तथा तकनीकी आधार पर भी अनेक बदलाव किए गए हैं। इसी के तहत जिला स्तर पर और ब्लॉक स्तर पर योगासन खेल समितियां के गठन का निर्णय लिया गया है। इन समितियों के तत्वावधान में ब्लॉक स्तर पर तथा जिला स्तर पर तथा विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित होगी। इन खेल प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय तथा पुलिस व अन्य संगठन भी भाग ले सकेंगे। ब्लॉक स्तर पर भी योगासन कमेटियों का गठन किया जाएगा।

जींद। कर्णदेव को सम्मानित करते हुए।

दूसरी मैरिट सूची भी रही ऊंची

आसान नजर नहीं आ रही आईटीआई में दाखिले की डगर

आनलाइन पोर्टल से अपना सीट अलाटमेंट लेटर लेकर संबंधित आईटीआई में जाकर दाखिला ले सकेंगे

- सीट अलाट होने पर काउंसलिंग में भाग लेने के लिए देना होगा जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कम नंबर वाले अभ्यर्थियों का प्रदेश के आईटीआई में दाखिला लेने वालों का इंतजार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग जारी की गई दूसरी मैरिट लिस्ट कम सीट अलाटमेंट भी ऊंची रही। दूसरी मैरिट सूची में करीब 30 प्रतिशत सीट अलाट की गई हैं।

14 जुलाई तक करवा सकेगे फिजिकल वैरीफिकेशन: दूसरी मैरिट सूची में जिन विद्यार्थियों को सीट अलाटमेंट की गई हैं तो वे 14 जुलाई तक संबंधित आईटीआई में जाकर अपने मूल दस्तावेजों के साथ फिजिकल वैरीफिकेशन करवा सकते हैं। इसके बाद विद्यार्थी को आनलाइन पोर्टल पर ही 15 जुलाई तक अपनी फीस जमा करवानी होगी। जो विद्यार्थी फीस जमा नहीं करवाएंगे उनकी सीट अपने आप ही रद्द हो जाएगी।

यूं रही आईटीआई कैथल की मेरिट लिस्ट

कोर्स का नाम	अधिकतम	कोर्स का नाम	अधिकतम
सीएचएनएम	75	मल्टीमीडिया	63.8
कोपा	105	पेंटर जनरल	60.4
डाफटसमैन सिविल	80	पलंबर	77.0
डाफटसमैन मैकेनिक	74.6	मैकेनिक आरएसी	77.8
डेस मेकिंग	53.0	सीविंग टैक्नोलाजी	103.6
इलेक्ट्रिशियन	100	सायल टैस्टिंग	74.67
इलेक्टोनिक मैकेनिक	77.0	एसएसए अंग्रेजी	96.0
फीटर	90.4	एसएसए हिंदी	91.80
फायर टैक्नोलाजी	93.4	टीपीईएस	66.60
फायर टैक्नोलाजी	71.4	टूल एंड डाई	65.0
मशीनीस्ट ग्राइंडर	71.4	टर्नर	71.80
मोटर मैकेनिक व्हीकल	93.4	वैल्डर	75.8
मैकेनिक टैक्टर	63.2	वायरमैन	96.6

328 सीट अलाट की गई

आईटीआई के दाखिला इंचार्ज संजय कुमार ने बताया कि दूसरी मैरिट सूची में 328 सीट अलाट की गई हैं। विद्यार्थी समयबद्ध संस्थान में आकर दाखिला ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिन विद्यार्थियों को दूसरी मैरिट सूची में सीट अलाट की गई हैं तो वे 14 जुलाई तक डाक्यूमेंट वैरीफिकेशन करवाते हुए दाखिला ले सकते हैं।

डाक्यमेंट वैरीफिकेशन हेतु दस्तावेज

1. फार्म में दर्शाई गई शैक्षणिक योग्यता के ओरिजिनल प्रमाण पत्र तथा उनकी एक-एक फोटो प्रति।
2. आनलाइन आवेदन किए गए फार्म की प्रतिँ
3. पोर्टल से निकाली गई सीट अलाटमेट की प्रति।
4. जाति प्रमाण पत्र यदि एससी, बीसी या अन्य श्रेणी से संबंधित है।
5. भूतपूर्व सैनिक, पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र, यदि आवेदन में दर्शाया
6. आनलाइन फीस जमा करवाने हेतु एटीएम कार्ड या अन्य।
7. दो पासपोर्ट साइज नवीनतम रंगीन फोटो।
8. फीस आनलाइन जमा करवाई जा सकेगी।

अलाट सीट होने पर काउंसलिंग में भाग लेने के लिए देना होगा जुर्माना

आईटीआई में सीट अलाट होने पर उसमें दाखिला न लेने पर अगली काउंसलिंग में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों को जुर्माना अदा करना होगा। इसके लिए युवाओं को 500 तथा युवतियों को 250 रुपये देने होंगे नहीं तो वे अगली काउंसलिंग में भाग नहीं ले सकेंगे। प्रदेश के अधिकतर राजकीय आईटीआई में शनिवार को अवकाश होने के बावजूद भी दाखिला कमेटियों द्वारा दाखिला किया जाएगा। जिन विद्यार्थियों को सीट जारी संबंधित मैसेज मिला है तो वे आनलाइन पोर्टल से अपना सीट अलाटमेंट लेटर लेकर संबंधित आईटीआई में जाकर दाखिला ले सकेंगे।

हिंदू कन्या महाविद्यालय में यूजी कोर्स में दाखिले को लेकर फीस छूट

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय 27 जून से प्रारंभ स्नातक श्रेणी की दाखिला प्रक्रिया के बाद नौ जुलाई से ओपन काउंसलिंग की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। जिसमें विद्यार्थी 11 जुलाई से 17 जुलाई तक नए आवेदन भी कर पाएंगे। 11 जुलाई से 17 जुलाई तक 100 रुपये विलंब फीस के साथ दाखिला होगा। उसके पश्चात दाखिला 100 रुपये प्रति दिन की विलंब फीस के साथ होगा। महाविद्यालय प्राचार्या डा. पूनम मोर ने बताया कि 75 प्रतिशत व 75 प्रतिशत से ऊपर प्राप्त अंकों के आधार पर फीस में 100 प्रतिशत छूट को लेकर छात्राओं में काफी उत्साह है। छात्राओं को दी जाने वाली यह सुविधा छात्राओं को प्रोत्साहन देती है तथा कोई भी छात्रा वित्तीय अभावों से शिक्षा लेने में वंचित न रह जाए, इस उद्देश्य को लेकर ही यह सुविधा प्रदान की गई है।

खबर संक्षेप

कपास मंडी में जाने वाला रास्ता हुआ खस्ताहाल

उचाना। कान्हा सेवा सदन के पास से कपास मंडी को जाने वाला रास्ता खस्ताहाल होने से वाहन चालकों के साथ-साथ राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई सालों से नए सिरे से रास्ते का निर्माण करने की मांग करते आ रहे है। करीब यहां पर रास्ता 20 साल पहले पक्का बना था। अब तक दोबारा से इसका निर्माण नहीं हुआ है। यहां पर सीसी का बना रास्ता टूटने के बाद जो कंकर पत्थर राहगीरोंए वाहन चालकों के लिए परेशानी बन रहे है। बलदेव, सुखबीर, मनोज ने कहा कि कपास मंडी को जाने वाला ये रास्ता करीब 20 साल पहले सीसी का बना था।

समस्याओं का समाधान में लगे विधायक : चहल

उचाना। भाजपा कसूहन मंडल संयोजक संदीप चहल ने कहा कि

भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री छोटी से लेकर बड़ी समस्याओं के समाधान कराने में लगे है। उचाना को विकसित उचाना बनाने के लिए वो निरंतर प्रयासरत है। हाइवे स्थित अतिरिक्त मंडी में दो धर्मकांटे लगने के बाद किसानों को फायदा हुआ। नेशनल हाइवे पर वर्षों से जलभराव हो रहा है। जलभराव की समस्या के समाधान को लेकर खुद निरीक्षण कर एनएचएआई को जल्द से जल्द पानी निकासी का प्रबंध करने के लिए पाइप लाइन बिछाने के निर्देश दिए जिस पर काम चल रहा है।

भूजल संरक्षण को लेकर उपायुक्त ने की अपील

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने किसानों से अपील की है कि वे मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर पानी की बचत व भूजल संरक्षण में योगदान दें। यह योजना कृषि एवं किसान कल्याण विभाग जींद द्वारा चलाई जा रही है। जिसका उद्देश्य पानी की अत्यधिक खपत वाली धान की फसल की जगह कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत यदि किसान धान के स्थान पर ज्वार, मक्का, कपास, मूंग तिल आदि फसलें बोते हैं।

जींद से चल कर यात्रा लाखनमजारा पहुंचेगी

सिखों के नौवें गुरु श्री तेग बहादुर साहिब की शहादत यात्रा पहुंचीं जींद

स. करनैल सिंह ने बताया कि यात्रा शहीदों की गाथा को जन-जन तक पहुंचा रही।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। गुरूद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब में पहुंची नगर कीर्तन यात्रा। व गुरूद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब में यात्रा का स्वागत के लिए खड़े गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब, भाई दयाला जी, भाई सती दास जी व भाई मति दास जी की शहादत के 350 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में निकाली जा रही विशाल नगर कीर्तन यात्रा शनिवार रात को रानी तालाब स्थित गुरुद्वारा तेग बहादुर साहिब में पहुंची। यात्रा का हरियाणा गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार करनैल सिंह निम्नाबाद की अध्यक्षता में यात्रा का स्वागत किया गया। इस यात्रा ने रात्रि ठहराव गुरूद्वारा में किया और रविवार को यह यात्रा लाखनामाजरा रोहतक के लिए रवाना हो गई। यहां पर मुख्य रूप से गुरूद्वारा मैनेजर गुरविंदर सिंह, हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की पूर्व सदस्य परमिंदर कौर पूर्व सदस्य परमिंद्र कौर, जोगिंदर सिंह पाहवा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका और यात्रा के साथ चल रहे मौजिज लोगों को सिरोपा पहना कर सम्मानित किया।

गुरूद्वारा मैनेजर गुरविंदर सिंह ने बताया कि 350 वर्ष पहले दिल्ली के चांदनी चौक में मुगल शासक औरंगजेब के आदेश पर श्री गुरु तेग बहादुर, भाई दयाला, भाई सती दास और भाई मति दास को इस्लाम स्वीकार न करने के कारण शहीद कर दिया गया था। उन्हीं शहीदों की याद में यह नगर कीर्तन यात्रा आनंदपुर साहिब से दिल्ली के चांदनी चौक तक निकाली जा रही है। शनिवार को यह यात्रा गुरूद्वारा तेग बहादुर साहिब में पहुंची। उन्होंने कहा कि गुरू तेग बहादुर ने धर्म की रक्षा की। ओरंगजेब जबरन धर्म परिवर्तन करवाना चाह रहा था। उसने तरह-तरह के प्रलोभन, तरह-तरह के अत्याचारों के जरिये गुरू तेग बहादुर जी पर इस्लाम कबूल करने का दबाव बनाया लेकिन गुरू तेग बहादुर जी ने उनका डटकर मुकाबला किया और धर्म की रक्षा के लिए सवोच्च बलिदान दिया।

यात्रा हिंदू, सिख एकता की प्रतीक

हरियाणा गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार करनैल सिंह निम्नाबाद ने कहा कि यह यात्रा हिंदू, सिख एकता की प्रतीक है और शहीदों की बलिदान गाथा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांत की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु तेग बहादुर साहिब का स्थान अद्धितीय है। उनकी शहादत दुनिया में मानव अधिकारों के लिए पहली शहादत थी। इसलिए उन्हें सम्मान के साथ हिंद की चादर भी कहा जाता है। गुरु तेग बहादुर जी का जीवन भारत के सांप्रदायिक सौहार्द, सहिष्णुता और धर्म की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान की मिसाल है।

काव्य रचनाओं संबंधित पुस्तक मेरी परछाई का हुआ विमोचन

- साहित्यकारों ने सावन, बारिश गुरु पूर्णिमा पर दी प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

अपनी पुस्तक दिखाते हुए सुनील।

वैदिक प्रकाशन हरिद्वार द्वारा आयोजित ऑनलाइन अविरल गोष्ठी में काव्य रचनाओं संबंधित पुस्तक का विमोचन हुआ। जिसका शीर्षक मेरी परछाई रहा। इसमें लेखक सुनील सैनी सीना ने अपनी मौलिक रचनाओं में विभिन्न विषयों, मुद्दों को अपनी कविताओं के माध्यम से आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया है। इस दौरान वैदिक प्रकाशन की प्रकाशक प्रशस्ति सचदेव एवं गोष्ठी अध्यक्ष नीतु कुमारी ने एकल पुस्तिका मेरी परछाई के प्रकाशन हेतु शुभकामनाएं दी तथा इसके साथ उपस्थित साहित्यकारों ने अपनी गीत प्रस्तुति, काव्य पाठ भी किया। काव्य गोष्ठी की शुरुआत अंजलि सारस्वत ने ईश वंदना से की। विभिन्न कवियों साहित्यकारों ने सावन, बारिश, गुरु पूर्णिमा आदि विषयों पर अपनी प्रस्तुति दी। आरूष ने भोले के दर, विपुल शर्मा ने गुरु मेरे सावन जैसे, मंजूषा ने बोले अहिव रिमझिम वरण्या ने नीरबध, एक बूंद बरखा बरसा दे, पार्थ ने लेख, किरणबाला ने गुरु महिमा वर्णन, जोनकी भट्टाचार्य ने नाम का अर्थ, विशेष ने शायरी, डा. चंद्र कला ने प्रथम गुरु मां व मन भावन सावन आयो रे, अंजलि सारस्वत ने स्वार्थ विषय पर कविता पढ़ी, अनन्त राम शास्त्री, आरजू मलिक, पार्थ, अपर्णा, रिचा तिवारी, भगवान दास शर्मा, ममता साहू, डा. ऊषा अग्रवाल, नीतु नितुंजली ने गुरु महिमा विषय पर कविता पढ़ी।

उचाना कलां में पार्क को जाने वाली गली में भरा गंदा पानी

उचाना। उचाना कलां के पार्क को जाने वाली गली में भरे गंदे पानी से आवागमन करने वालों के साथ-साथ यहां स्थित मंदिर, पार्क में आने-जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बिना बारिश के भी यहां पर कई दिनों से पानी भरा हुआ है। वार्ड के लोग एवं राहगीरों द्वारा कई बार नए सिरे से गली निर्माण की मांग की जा रही थी। बाबा समाध वाला मंदिर में श्रद्धालु भी इस रास्ते से आते-जाते है तो पार्क में भी यहां से लोगों का आना.जाना रहता है। मंदिर की तरफ जाने वाले प्रमुख रास्ता होने के चलते यहां से आवागमन सबसे अधिक रहता है। गंदे पानी से होकर ही लोगों को आना जाना पड़ रहा है।

जींद। जनसंपर्क अभियान चलाए भाजपा कार्यकर्ता व नेता। फोटो : हरिभूमि

रैली में भीड़ जुटाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुरानी अनाज मंडी में चलाया संपर्क अभियान

जींद। जुलाना हलके के नंदगढ़ गांव में 19 जुलाई को होने वाली जुलाना विकास रैली में भीड़ जुटाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने एडी चोटी का जोर लगा दिया है। इसी कड़ी में भाजपा की जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल व नगर पालिका चेयरमैन डा. संजय शर्मा ने जुलाना की पुरानी अनाज मंडी में जनसंपर्क अभियान चला कर लोगों से 19 जुलाई को खासकर दुकानदारों से नंदगढ़ में पहुंच कर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के जन्मदिन कार्यक्रम में पहुंचने का आह्वान किया गया कि वो नंदगढ़ स्टेडियम में पहुंचकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी को अपना आशीर्वाद दें। इस दिन जुलाना हल्के को करोड़ों की सौगात नायब सैनी के द्वारा दी जाएगी। मौके पर संजय शर्मा ने कहा कि सभी पार्षद जुलाना कस्बे के प्रत्येक वार्ड से कम से कम 200 लोगों को साथ लेकर स्टेडियम में पहुंचे व भीड़ जुटाने के लिए प्रत्येक वार्ड में जनसंपर्क अभियान चलाएं। इस मौके पर पार्षद राहुल सिंगला, पतराम तायल, देवीलाल तायल, सोनू तायल, राजेश जिंदल, तुलसी सिंगला, तरुण गर्ग, रामनिवास लाठर, मोहन तायल आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

प्रदेश में औसत आयु का कम होना चिंता का विषय: धर्मपाल कंडेला

- गांव कंडेला में खाप प्रधान धर्मपाल कंडेला की अध्यक्षता में सर्वजातीय कंडेला खाप की बैठक रविवार को आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। बैठक करते हुए कंडेला खाप के प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

गांव कंडेला में खाप प्रधान धर्मपाल कंडेला की अध्यक्षता में सर्वजातीय कंडेला खाप की बैठक रविवार को आयोजित की गई। कंडेला खाप पिछले कई वर्षों से नशा निवारण और आपसी सद्भाव बनाए रखने के लिए जनहित में जागरूकता अभियान चला रही है। खाप प्रधान धर्मपाल कंडेला ने कहा कि खाप ने अपने खाप गांवों में कई आपसी विवादों का समाधान करके भाईचारा स्थापित किया है। फिर भी नशाखोरी पर प्रभावी रोक लगानी अभी भी आवश्यक है। सरकार और प्रशासन को इस दिशा में और कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। खाप उपप्रधान दयानंद नम्बरदार ने बताया कि कंडेला खाप ने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की कि हरियाणा के लोगों की औसत आयु 68 वर्ष है। जबकि राष्ट्रीय औसत 70 वर्ष है और दिल्ली में यह 74 वर्ष है। भारत सरकार के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त की रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा में औसत आयु का कम होना चिंता का विषय है। इसके पीछे नशा, बेरोजगारी, परिवारों में असंतोष और सामाजिक मूल्यों में गिरावट को मुख्य कारण माना जा रहा है।

जींद। पौधे रोपित करते क्लब सदस्य। फोटो : हरिभूमि

मां जीवन देती है और पेड़ जीवन को चलने की सांसें

जींद। पौधा रोपण के पावन उपलक्ष पर रोटरी क्लब जींद मिडटाउन व इनरव्हील क्लब जींद के सहयोग से एसपी मेमोरियल स्कूल जुलानी में वृक्षारोपण कर पर्यावरण को समर्पित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए रोटरी क्लब के प्रवक्ता रोटेरियन मायाराम देवली ने बताया कि मां जीवन देती है और पेड़ जीवन को चलने की सांसें। उन्होंने बताया कि आज की पर्यावरण प्रदूषण को देखते हुए हर आदमी को कहीं ना कहीं एक से दो पेड़ अवश्य लगाने चाहिए। जिससे कि पर्यावरण संतुलित हो सके। उन्होंने कहा कि पौधा रोपण करके पर्यावरण को शुद्ध बनाया जा सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह पौधा रोपण करके पर्यावरण को शुद्ध बनाने में योगदान दे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध बनाकर बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। इस अवसर पर रोटेरियन सुरेश गर्ग, रोटेरियन आरएस सिंधवानी, प्रधान रोटेरियन तरुण जैन, सचिव रोटेरियन अशोक शर्मा, रोटेरियन डा. नवीन गुप्ता, रोटेरियन डा. बनीष गर्ग, रोटेरियन डा. सुरेंद्र चौधरी, रोटेरियन सीपी मालिक, रोटेरियन अंकुर बिंदल, रोटरी नितिन जिंदल, रोटेरियन एवं स्कूल प्रिंसिपल बीएस गर्ग, काजल जैन और डा. पूजा बंसल आदि सदस्य मौजूद रहे।

युवा जोड़ो अभियान के तहत जजपा के युवा प्रदेशाध्यक्ष करेंगे 16 को नौ गांवों के दौरा

- तैयारियों को लेकर जजपा जिला कार्यालय में हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। बैठक में मौजूद जजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

जजपा संगठन को मजबूत करने के लिए नई पहल शुरू कर रही है। इस पहल के सारथी जजपा के युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला बने हुए हैं। संगठन को मजबूत करने के लिए जींद में 16 जुलाई को दिग्विजय सिंह चौटाला तीन विधानसभा क्षेत्रों नरवानाए सफीदों और उचाना हल्को के नौ गांवों का दौरा करेंगे।

इसकी तैयारियों को लेकर रविवार को जजपा के जिला कार्यालय में जिला प्रभारी सत्यनारायण बूरा व जिला प्रधान जोरा सिंह डूमरखां की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें गांव के अनुसार कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी लगाई जाएगी ताकि संगठन के साथ दिग्विजिय सिंह चौटाला के नेतृत्व में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़ा जाए। इस अवसर पर पूर्व विधायक अमरजीत ढांडा, हलका प्रधान सुनील कंडेला, सुरेंद्र गोयत, बिरेंद्र कौशिक घोघडिय़ा, हलका प्रभारी ईश्वर नैन, बलराज श्योकंद, ताराचंद चहल, मनजीत बेरवाल, अजय डूमरखां, दीपक कुंडू, मुकेश कालवा, मोनू कुंडू, जगदीश नरवानाए शमशेर बद्देवाल मौजूद रहे।

परेशानी सब्जी मंडी में बिजली, पानी, सीवरेज और सफाई व्यवस्था चरमराई

नरवाना की सब्जी मंडी का नाम बदलकर समस्याओं की मंडी रखने की मांग उठी

- सब्जी मंडी में सफाई व्यवस्था चरमराई हुई हैए लाइट रहती नहीए पीने के पानी के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। रोष जताते दुकानदार। फोटो : हरिभूमि

नरवाना की सब्जी मंडी को समस्याओं की मंडी कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। सब्जी मंडी में सफाई व्यवस्था चरमराई हुई हैए लाइट रहती नहीए पीने के पानी के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं है। जिसको लेकर आढ़तियों ने लामबन्द होकर मार्केट कमेटी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सब्जी मंडी का नाम बदलकर समस्याओं की मंडी रखने की मांग की। सब्जी मंडी के पूर्व प्रधान चरणजीत छाबड़ा ने कहा कि यहां इतनी गन्दगी है। जीना दूभर हो गया है। सब्जी मंडी असोसिएशन के सचिव राजेश कुमार ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि लाखों का राजस्व देते है लेकिन सुविधा के नाम पर मार्किट कमेटी विभाग जीरो है। आढ़ती मजबूरी वश पलायन करने पर मजबूर हों रहे हैं। सब्जी मंडी के आढ़ती दुआ ने कहा कि सरकार नारा देती है स्वच्छ भारत का लेकिन मंडी में सफाई नाम की चीज नहीं है गन्दगी का आलम छाया है। वे अधिकारियों के आगे गुहार लगाकर थक चुके है किसी के सिर पर जूं नहीं रेंगती। लोगों ने विरोध में जमकर प्रदर्शन किया गया।